II

B.Ed 2nd Year
Course 11 C
Unit 1
Topic - AIDS
By = Shagufta Nigar

AIDS

A = Aquired
I = Immuno
D = Difficiency
S = Syndrome

AIDS Caused by a lethal virus HIV.

H = Human
I = Immunodiffeciency
V = Virus

लक्षण = 1 मांस पेशियों में खिंचाव
2. जोड़ों में सूजन व दर्द
3. गले में दर्द

3. सिर दर्द → बुखार
4. वजन घटना →
5. त्वचा पर निशान →
6 नाखून के रंग →
7 सोते समय पसीना आना →
8 डायरिया →
9 थाइरॉइड, डायबिटीज
10. फेफड़ों का इन्फेक्शन → Pulmonary hyper tension, pulmonary fibrosis.
11 हृदय संबंधी रोग →
12 किडनी संबंधी रोग →
13. हड्डी संबंधी रोग
14. कैंसर

Notes

Stages of HIV

1. **Primary Stage** → इस अवस्था में खून में वायरस तेजी से अपनी संख्या बढ़ाता है इसके खिलाफ शरीर का Immunity System इसके antibody बनाना शुरू कर देता है इस प्रक्रिया को सिरो कंवर्सेशन कहते हैं। इस समय यदि इसकी पहचान कर ली जाए तो इस पर काफी हद तक काबू पाया जा सकता है। HIV positive होना इसी stage को कहा जाता है।

2. **Clinical Asymptomatic stage** → यह stage infection के 10 साल तक रहता है इस अवस्था में खून में HIV antibody होती है. वायरस lymph node में active रहते हैं इस stage में उचित इलाज कराने से रोग प्रतिरोधक क्षमता को कम नुकसान पहुंचता है जिससे अन्य बीमारियों से शरीर की रक्षा होती है।

Notes

3. **Symptomatic** → इस अवस्था में रोगी का Immune system पूरी तरह से खत्म हो जाता है और कई तरह के

वायरल और bacterial infection से शरीर विभिन्न रोगों का शिकार हो जाता है।

AIDS →

यह अंतिम स्टेज है. HIV infection शरीर को पूरी तरह से प्रभावित करता है Immunity system पूरी तरह से खत्म हो जाता है और शरीर विभिन्न रोगों का शिकार हो जाता है।

Antiretero viral therapy (ART) से HIV positive मरीजों का ट्रीटमेंट किया जाता है इसमें रोक-थाम और treatment दोनों पर ध्यान दिया जाता है यह न सिर्फ इस infection के असर को कम करता है बल्कि antiretero-viral thrapy रोग के फैलने से भी रोकती है. W.H.O की नयी रिपोर्ट के अनुसार ART और ARV (antiretero virus) को पहले दो stage में पिछले कुछ सालों में मरने वाले लोगों की संख्या में कमी आयी है

एड्स रोग की पीड़ा उपचार के लिए तीन चरणों वाला model भी उपलब्ध है।

Step-1 → हल्की पीड़ा
नोनओपियॉयड (पैरासीटामोल, इबुप्रोफेन, एसीटमिनोफेन) आदि का प्रयोग चिकित्सक के परामर्श से करना चाहिए

Step II मध्यम पीड़ा
यदि उपयुक्त दवाए राहत न पहुँचा सके तो नोनोपियाड (जैसे कोडीन, प्रोपोक्सीयोन) आदि

Step III – तीव्र पीड़ा
जब उपर की दवाए कारगर न हो तब ओपियाड (जैसे मार्फीन, मेथाडोन, पेथिडाइन) आदि का प्रयोग करना चाहिए इनसभी दवाओं का प्रयोग अहतायुक्त चिकित्सक के ही परामर्श से करना चाहिए।